

भारतवर्षे आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् : विहङ्गमदृष्ट्या परिशीलनम्

(Modern Sanskrit Literature in India : A Bird's Eye View)

Dr. Subhrajit Sen

Assistant Professor, Department Of Sanskrit,
University of Gour Banga,
Malda, West Bengal



SANSKRIT PUSTAK BHANDAR
38, Bidhan Sarani, Kolkata-700 006

सूचीपत्रम्

| | |
|--|--------------|
| आशीर्वाक् – प्रो.सीतानाथाचार्यः | v |
| शुभांशसा – प्रो.राधावल्लभत्रिपाठी | vi |
| पुरोवाक् – प्रो.प्रफुल्लकुमारमिश्रः | vii |
| Foreword – Professor Arun Ranjan Mishra | xi |
| आमुखम् | xix |
| प्रथमोऽध्यायः – आधुनिकता तत्स्वरूपञ्च | १-११ |
| क. प्रस्तावना | १ |
| ख. साहित्ये आधुनिकतायाः प्रारम्भविषयकवादाः | ५ |
| ग. आधुनिकतायाः स्वरूपम् | ७ |
| द्वितीयोऽध्यायः – आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये वस्त्वाङ्गिकदृष्ट्या परिवर्तनम् | १२-५३ |
| क. भूमिका | १२ |
| ख. आधुनिकसंस्कृतनाटकेष्वागतानि प्रमुख्यपरिवर्तनानि | १७-२८ |
| I. भाषागतं परिवर्तनम् | १७ |
| II. अभिव्यक्तिसापेक्षं परिवर्तनम् | २० |
| III. तकनिक्यां परिवर्तनम् | २१ |
| IV. वस्तुगतं परिवर्तनम् | २४ |
| V. सङ्गीतस्य समावेशः | २५ |
| VI. नृत्यनाटिका | २६ |
| VII. नाट्यमञ्चगतं परिवर्तनम् | २७ |
| ग. संस्कृतगद्यकाव्यस्याधुनातनप्रवृत्तयः | २८-३२ |
| I. प्रणयवर्णनपराः कथाः | २८ |
| II. सामाजिककथाः | २८ |
| III. भावप्रधानाः कथाः | २८ |

| | | |
|--|---|-------|
| IV. | उपदेशकथा: | २८ |
| V. | लोककथा: | २८ |
| VI. | हास्यकथा: | २८ |
| VII. | उपन्यास: | २९ |
| VIII. | चित्रकथा: | ३० |
| IX. | ललितनिबन्धसाहित्यम् | ३१ |
| घ. | आधुनिकमहाकाव्येषु विवर्तनम् | ३२ |
| ड. | आधुनिकसंस्कृतकवितासु परिदृश्यमानं विषयनावीन्यम् | ३५-४२ |
| I. | अलंकारयोजनायां परिवर्तनम् | ३६ |
| II. | अर्वाचीनसंस्कृते छन्दसामभिनवत्वम् | ३७ |
| III. | आधुनिकसंस्कृतकवितायाम् आड्गिकपरिवर्तनम् | ३९ |
| * | बहिरङ्गपरिवर्तनम् | ४० |
| * | अन्तरङ्गपरिवर्तनम् | ४२ |
| च. | जीवनीमूलककाव्यम् | ४३ |
| छ. | अनुवादसाहित्यम् | ४६ |
| ज. | शास्त्रीयग्रन्थानां नवीनव्याख्यानम् | ४९ |
| झ. | समसामयिकसंस्कृतसाहित्यविषये विचारः | ५१ |
| तृतीयोऽध्यायः – अर्वाचीनसंस्कृतालंकारशास्त्रम् | | ५४-८३ |
| १. | उपोद्घातः | ५४ |
| २. | जगन्नाथोत्तरवर्तिनः प्रसिद्धा आचार्या: | ५७-६७ |
| क. | राजचूडामणिदीक्षितः | ५७ |
| ख. | भूदेवशुक्लः | ५८ |
| ग. | रामदेवचिरञ्जीवभट्टाचार्यः | ५८ |
| घ. | विश्वेश्वरपण्डितः | ५९ |
| ड. | नरसिंहकवि: | ५९ |
| च. | आशाधरभट्टः | ६० |

| | | |
|---|--|-------|
| छ. | वेणीदत्तशर्मा | ६१ |
| ज. | अच्युतरायशर्मा | ६१ |
| झ. | श्रीकृष्णकविः | ६२ |
| ब. | हरिदाससिद्धान्तवागीशः | ६३ |
| ट. | रेवाप्रसादद्विवेदी | ६३ |
| ठ. | अभिराजराजेन्द्रमिथः | ६४ |
| ड. | राधावल्लभत्रिपाठी | ६५ |
| ३. | अप्रसिद्धाः अल्पप्रसिद्धाश्चाचार्याः | ६७-७२ |
| क. | नरहरिः | ६७ |
| ख. | कृष्णदीक्षितः | ६७ |
| ग. | मौनीकृष्णभट्टः | ६८ |
| घ. | हरिप्रसादमाथुरः | ६८ |
| ड. | बलदेवविद्याभूषणः | ६९ |
| च. | चन्द्रकान्ततर्कालंकारः | ६९ |
| छ. | छञ्जुरामविद्यासागरः | ६९ |
| ज. | ब्रह्मानन्दशर्मा | ७० |
| झ. | रहसबिहारीद्विवेदी | ७० |
| अ. | सीतानाथाचार्यशास्त्री | ७१ |
| • | दिग्दर्शनन्यायेनाधुनिकानामालंकारिकाणां | ७३-७६ |
| | ग्रन्थप्रकाशनयोः सूची | |
| ४. | टीकाकृदाचार्यवर्गः | ७७ |
| ५. | अज्ञातालंकारिकवर्गः | ७९ |
| ६. | उपसंहितिः | ८० |
| चतुर्थोऽध्यायः - अर्वाचीनसंस्कृतवाङ्मये छन्दसां वैचित्र्यम् | ८४-११० | |
| क. | भूमिका | ८४ |
| ख. | अर्वाचीनसंस्कृतकाव्यपरिसरे मुक्तकच्छन्दसां वैचित्र्यम् | ८६ |

| | | |
|---|--|---------|
| ग. | लोकधर्मिच्छन्दसामभिनवत्वम् | ९२ |
| १. | गजलगीतस्य प्रयोगो देववाण्याम् | ९३ |
| २. | संस्कृतच्छन्दःसु चैत्रकगीतस्य प्रयोगः | ९६ |
| ३. | लोरीगीतम् | ९६ |
| ४. | कब्बालीगीतस्य व्यवहारः संस्कृतच्छन्दसि | ९६ |
| ५. | रागाणां प्रयोगः | ९७ |
| ६. | घनाक्षरीछन्दसः प्रयोगोऽर्वाचीनसंस्कृतवाङ्मये | ९७ |
| ७. | चतुष्पदीछन्दः | ९७ |
| ८. | संस्कृतच्छन्दोबद्धकवितायां बाउलगीतेव्यवहारः | ९८ |
| ९. | लहरीकाव्यम् | ९८ |
| १०. | हिन्दीछन्दसां संस्कृते प्रयोगः | १०० |
| ११. | वीरेन्द्रकुमारभट्टाचार्यस्य छन्दोविधानम् | १०२ |
| १२. | कालीपदतकार्चार्यस्य छन्दोवैचित्र्यम् | १०३ |
| १३. | राधावल्लभस्य सोनेट्‌शैली | १०३ |
| घ. | अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये वैदेशिकच्छन्दसां प्रयोगः | १०४-११० |
| १. | सनेट्-छन्दसा ग्रथितं संस्कृतसाहित्यम् | १०४ |
| २. | हाइकुकाव्यम् | १०५ |
| ३. | सिजोकाव्यम् | १०६ |
| ४. | तान्काकाव्यम् | १०९ |
| पञ्चमोऽध्यायः – भारतवर्षे अर्वाचीनसंस्कृतवाङ्मये कवयितारः | | १११-२११ |
| १. | उत्तरभारतस्यावर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | ११३-१४३ |
| १.१. | जम्मु-काश्मीरराज्ययोर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | ११३ |
| १.२. | पाञ्जावराज्ये आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् | ११५ |
| १.३. | हरियाणाप्रदेशस्यावर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | ११६ |
| १.४. | दिल्लीस्थमर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | १२४ |
| १.५. | संस्कृतसाहित्ये हिमाचलप्रदेशस्य योगदानम् | १३२ |

| | | |
|---|--|---------|
| १.६. | समसामयिकसंस्कृतसाहित्ये उत्तरप्रदेशीयानां योगदानम् | १३३ |
| २. | पूर्वभारतीयराज्येष्वर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | १४३-१७२ |
| २.१. | विहारप्रदेशस्याधुनिकसंस्कृतसाहित्ये योगदानम् | १४३ |
| २.२. | उत्कलप्रदेशे अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यचर्चा | १४६ |
| २.३. | आसामराज्यपरिप्रेक्षे सांस्कृतिकपरिमण्डलम् | १६३ |
| २.४. | नागाल्याण्ड-मिजोरामयोः प्रदेशयोः संस्कृतसाहित्यचर्चा | १६९ |
| २.५. | त्रिपुराराज्येऽर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | १७० |
| २.६. | झाडखण्डराज्यस्य योगदानम् आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये | १७१ |
| ३. | पश्चिमभारतीयराज्यानामाधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् | १७३-१९६ |
| ३.१. | राजस्थानप्रदेशेऽर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | १७३ |
| ३.२. | मध्यप्रदेशस्य आधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् | १७९ |
| ३.३. | महाराष्ट्रस्य आधुनिके संस्कृतसाहित्य योगदानम् | १८५ |
| ३.४. | गुजराट-प्रदेशस्य समसामयिकसंस्कृतवाङ्यम् | १९३ |
| ४. | दक्षिणभारतस्य राज्येष्वर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये योगदानम् | १९६-२११ |
| ४.१. | समसामयिककाले अन्धप्रदेशस्य संस्कृतसाहित्ये योगदानम् | १९६ |
| ४.२. | केरालाप्रदेशे विरचितमाधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् | १९९ |
| ४.३. | कर्णाटकस्यार्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | २०२ |
| ४.४. | तामिलनाडुराज्यस्याधुनिकसंस्कृतसाहित्यम् | २०८ |
| षष्ठोऽध्यायः – वड्गभूमे: अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यम् | | २१२-४५२ |
| १.०. | प्रस्तावना | २१२ |
| | प्रथमं पर्व | २१२-२५४ |
| २.१. | श्रव्यकाव्यधारायां महाकाव्यम् | २१२ |
| २.२. | गीतिकाव्यं खण्डकाव्यं वा | २१५ |
| २.३. | पर्यायबन्धाख्यं काव्यम् | २१६ |

| | | |
|------|---|---------|
| क. | विलापकाव्यम् | २१८ |
| ख. | शतककाव्यम् | २२० |
| ग. | दूतकाव्यम् | २२१ |
| घ. | द्वादशक-दशक-अष्टक-पञ्चककाव्यम् | २२२ |
| ङ. | स्तोत्रकाव्यम् | २२३ |
| ३.०. | दृश्यकाव्यचर्चा | २२४ |
| ४.०. | गद्यकाव्यपरम्परा | २३० |
| ५.०. | छायाकाव्यम् | २३५ |
| ६.०. | अनुवादसाहित्यम् | २३५-२५२ |
| A. | वड्गभाषातोऽनुवादः – रवीन्द्रसाहित्यम् | २३६ |
| B. | रवीन्द्रेतरसाहित्यम् | २४८ |
| C. | भाषान्तरेभ्योऽनुवादः | २५१ |
| ७.०. | साहित्यशास्त्रम् | २५२ |
| | द्वितीयं पर्व | २५४-४५२ |
| 1. | चन्द्रकान्ततर्कालिंकारस्य संस्कृतसाहित्यम् | २५४ |
| 2. | पञ्चाननतर्करत्नस्य सारस्वतसाधना | २५९ |
| 3. | हरिदाससिद्धान्तवागीशस्य साहित्यविच्छित्तिः | २६४ |
| 4. | विश्वेश्वरविद्याभूषणस्य नाट्यसाहित्यम् | २८२ |
| 5. | कालीपदतर्कचार्यस्य साहित्यवैभवम् | २९५ |
| 6. | अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये वीरेन्द्रकुमारभट्टाचार्यस्य | ३१९ |
| | योगदानम् | |
| 7. | श्रीजीवन्यायतीर्थस्य साहित्यसाधना | ३४३ |
| 8. | सिद्धेश्वरचट्टोपाध्यायस्य कारयितृप्रतिभा | ३७९ |
| 9. | यतीन्द्रविमलचतुर्धुरिणो नाट्यसाहित्यम् | ३९० |
| 10. | नित्यानन्दस्मृतितीर्थस्य साहित्यप्रपञ्चः | ४०५ |
| 11. | गीतिकविः दीपकघोषः | ४२१ |

| | | |
|--------|--|---------|
| 12. | सीतानाथाचार्यस्य साहित्यकल्लोलिनी | ४३१ |
| | सप्तमोऽध्यायः – आधुनिकसंस्कृतसाहित्ये भारतवर्षे कवयित्र्यः | ४५३-४८० |
| क. | भूमिका | ४५३ |
| ख. | नवदशशतकीयाः काश्चन कवयित्र्यः | ४५४-४६४ |
| I. | आनन्दमयी देवी | ४५४ |
| II. | उमा देवी | ४५५ |
| III. | उमा देशपाण्डेयः | ४५५ |
| IV. | ऋतात्रिवेदी | ४५५ |
| V. | करुणामयी | ४५५ |
| VI. | कामक्षी | ४५५ |
| VII. | क्षमा रावः | ४५६ |
| VIII. | ज्ञानसुन्दरी | ४५६ |
| IX. | त्रिवेणी | ४५६ |
| X. | नलिनी शुक्ला | ४५७ |
| XI. | पराम्बा श्रीयोगमाया | ४५८ |
| XII. | पुष्पा दीक्षितः | ४५९ |
| XIII. | प्रवेशा साक्सेना | ४५९ |
| XIV. | मिथिलेशकुमारी मिश्रा | ४५९ |
| XV. | मेननदेवकी देवी | ४६० |
| XVI. | वनमाला भाओयालकरः | ४६० |
| XVII. | वलम्मल् | ४६० |
| XVIII. | वीणापाणिपाटनी | ४६१ |
| XIX. | वेदकुमारी घाइ | ४६१ |
| XX. | रयम्मा | ४६१ |
| XXI. | लक्ष्मीः | ४६१ |
| XXII. | लीलारावः दयालुः | ४६१ |

| | | |
|---|-------------------------------|----------------|
| XXIII. | श्रीमती कमलारत्नम् | ४६३ |
| XXIV. | सुन्दरवल्ली | ४६३ |
| XXV. | सौ दुर्गापारखी | ४६३ |
| ग. | वड्गदेशीयाः संस्कृतकवयित्र्यः | ४६४-४८१ |
| I. | अर्चनापुरी | ४६४ |
| II. | बेलादेवी ब्रह्मचारिणी | ४६७ |
| III. | गौरी धर्मपालः | ४६९ |
| IV. | जयश्री नागः | ४७२ |
| V. | जयश्री चट्टोपाध्यायाः | ४७२ |
| VI. | रमा चौधुरी | ४७३ |
| उपसंहितिः | | ४८१-४९३ |
| परिशीलिता ग्रन्थानुक्रमणी | | ४९४-५०४ |
| परिशिष्टम् – (१) संस्कृतस्य साहित्य-अकाडेमी-पुरस्कारजेतारः | | i |
| परिशिष्टम् – (२) आधुनिकसंस्कृतकवीनामालोकचित्रावली | | iv |